

श्री अश्विनी कान्त ने कार्यवाही रखी
कुलाय फरीकन समास्थत। आज एसडीएम साहब
अवकास/भ्रमण/अन्य कार्यों में व्यस्त है, मिसल
वास्ते वैक दिनांक 22/11/12
को पेश हो

रीडर

कुलाय फरीकन समास्थत। आज एसडीएम साहब
अवकास/भ्रमण/अन्य कार्यों में व्यस्त है, मिसल
वास्ते वैक दिनांक 19/11/12
को पेश हो

रीडर

10/12

कुलाय फरीकन समास्थत। आज एसडीएम साहब
अवकास/भ्रमण/अन्य कार्यों में व्यस्त है, मिसल
वास्ते वैक दिनांक 3/11/12
को पेश हो

रीडर

वकुलाय फरीकन

पत्रावली पेश हुई प्रकरण राष्ट्रीय
लोक अदालत में रहे जो की सूचना
पत्रावली को की जाकर पत्रावली
दिनांक 11/11/12 को लोक अदालत
में पेश हो

श्री अश्विनी कान्त ने कार्यवाही रखी
अदालत में पेश हुई वकील वादीगण
स्वें वकील पुलिस 3 उपस्थित राजीनामा
इस आशय का पेश किया कि 45
1.5.5m के छुने 135/44 के कि
नं. 3 वा 7.14.15 की 7.00 की पत्र

Handwritten signature

विकारी

भूमि प्रविवेकी सं. 1 के नाम दर्ज हो
गई जो गलत है प्रविवेकी सं. 1 द्वारा
दि. 21/5/2008 को उत्तर को
प्रति सं. 3 को विक्रय कर दी गई
अतः उत्तर को वादीगा ने नाम दर्ज
किये जाने वास्तु राजीनामा व सहकार
पेश की गई।

हमने फावली व उपलब्ध
रेकार्ड तथा वाजीनामा वादीगा व
प्रति सं. 3 के वकील द्वारा प्रस्तुत का
धवलोकन किया प्रकरण में वादीगा
भूमि - एक 1-55m अक्षित 3.ने.
135/44 वे कि.ने. 3 ग. 7, 14, 15 की
7.00 बीघा जो प्रविवेकी सं. 1 के नाम
दर्ज हो गई जो लेकर विवाद है।
उत्तर को प्रति सं. 1 द्वारा अरिये
विक्रय कर दि. 21.5.08 को प्रति सं.
3 को विक्रय कर दी गई वकील
वादी व प्रविवेकी सं. 3 द्वारा आज
लोक अदालत में वाजीनामा प्रस्तुत
किया गया है। प्रविवेकी सं. 1 के
विक्रय दि. 1 ग.भा. को इतरका कार्यवाही
समाप्त हो गई जो चुकी तथा प्रति.

अधिकारी

उत्तर को
प्रति सं. 3 को
विक्रय कर
दि. 21/5/2008
को उत्तर को
प्रति सं. 3 को
विक्रय कर
दी गई
अतः उत्तर को
वादीगा ने
नाम दर्ज
किये जाने
वास्तु राजीनामा
व सहकार
पेश की गई।
हमने फावली
व उपलब्ध
रेकार्ड तथा
वाजीनामा
वादीगा व
प्रति सं. 3 के
वकील द्वारा
प्रस्तुत का
धवलोकन
किया प्रकरण
में वादीगा
भूमि - एक
1-55m अक्षित
3.ने.
135/44 वे
कि.ने. 3 ग.
7, 14, 15 की
7.00 बीघा
जो प्रविवेकी
सं. 1 के नाम
दर्ज हो गई
जो लेकर
विवाद है।
उत्तर को प्रति
सं. 1 द्वारा
अरिये विक्रय
कर दि. 21.5.08
को प्रति सं.
3 को विक्रय
कर दी गई
वकील वादी
व प्रविवेकी
सं. 3 द्वारा
आज लोक
अदालत में
वाजीनामा
प्रस्तुत किया
गया है।
प्रविवेकी सं.
1 के विक्रय
दि. 1 ग.भा.
को इतरका
कार्यवाही
समाप्त हो
गई जो चुकी
तथा प्रति.

1. द्वारा उक्त वादगत्र भूमि प्रवि.
 2. 3 को विक्रय भी की जा चुकी है
 उक्त वादगत्र एवं प्रविवादी से. 3 :दारा
 उक्त में राजीनामा प्रस्तुत किया जा
 अब इस आधार पर वाद वादीगण
 सेव आता है तथा वादगत्र भूमि चक
 1. 55m. विस्तार मु. नं. 135/44 के वि.
 नं. 377; 14.15 की 7.00 बीघा भूमि
 राजस्व रिकार्ड में वादीगण के नाम
 से रजिस्ट्रार दफ्तरे करने के आदेश
 दिये जाते हैं। पचाई डिक्री जारी हो
 पचावली मैसलामुगार लेकर दारिपल
 दफ्तरे की जावे।

निर्णय आज दि. 11.2.17 को मेरे
 द्वारा लिखवाया गया।


 (राजेश कुमार नायक)

सपखण्ड अधिकारी
 मुगल (डीकानेरी)

ही
 1 दारा
 55
 6
 7
 8
 9
 10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50